संस्थान में राजभाषा हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

हिंदी अनुभाग,वन अनुसंधान संस्थान और राजभाषा प्रकोष्ठ, मीडिया एवं विस्तार प्रभाग, भा.वा.अ.शि.प. के संयुक्त तत्त्वावधान में वन अनुसंधान संस्थान में दिनांक 18 नवंबर, 2025 को एक दिवसीय राजभाषा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के प्रारम्भ में संस्थान के कुलसचिव डॉ. विकास राणा ने अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित श्री पूरन चंद्र विश्वकर्मा, संयुक्त निदेशक राजभाषा (सेवानिवृत्त), संचार मंत्रालय सहित उपस्थित भा.वा.अ.शि.प. मुख्यालय एवं वन अनुसंधान संस्थान के सभी वैज्ञानिकों/अधिकारियों/ कार्मिकों का स्वागत किया। कुलसचिव महोदय ने विषय विशेषज्ञ श्री पूरन चंद्र विश्वकर्मा, जी को एक पौधा भेंट कर सम्मानित किया। इसके उपरांत उन्होंने श्री विश्वकर्मा जी का सभा के समक्ष संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि आज की कार्यशाला का विषय अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा सभी प्रतिभागी इस कार्यशाला का अत्यधिक लाभ लेकर राजभाषा को अपने-अपने कार्यालय के कार्यों में कार्यान्वित करें।

कार्यशाला में श्री विश्वकर्मा जी ने सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग विषय पर प्रतिभागियों की राजभाषा के प्रति जिज्ञासा बढ़ाते हुए बहुत रोचक ढंग से पीपीटी के माध्यम से जानकारी साझा की। उन्होंने राजभाषा हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए भारत की सामासिक संस्कृति की विशेषताओं को उजागर किया। अपने व्याख्यान में राजभाषा से संबन्धित नियमों और अधिनियमों को बहुत ही सरल ढंग से सभी के समक्ष रखा। कार्यशाला के अंतिम सत्र में प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया जिसमें सभी प्रतिभागियों ने बहुत रुचि दिखाई।

श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा) द्वारा समस्त कार्यशाला का संचालन किया गया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का सफल समापन हुआ।